मुख्यमंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के लिए 1012 करोड़ रूपए स्वीकृत किए

इस राशि से सड़क, पुलिया, डैम एनीकट, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाड़ी भवन आदि की मरम्मत की जाएगी

जयपुर, 31 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त सरकारी परिसम्पत्तियों की तात्काल मरम्मत के लिए 1,012 करोड़ 92 लाख रुपए की स्वीकृतियां जारी की हैं। ये स्वीकृतियां बाढ़ एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़क, पुलिया, डैम, एनीकट, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन सहित, सरकारी इमारतों और परिसम्पत्तियों के 50 हजार 288 मरम्मत कार्यों के लिए जारी की गई हैं।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार, 294 करोड़ रुपये की राशि से सार्वजनिक निर्माण विभाग की 14 हजार 212 सड़क और 1,161 पुलिया, 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से जल संसाधन विभाग की 902 परिसंपत्तियां और 12 करोड़ 80 लाख रुपये से चिकित्सा विभाग की 681 परिसंपत्तियों की मरम्मत की जाएगी।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने यह राशि सार्वजनिक निर्माण, जल संसाधन, चिकित्सा, पंचायतीराज, शिक्षा, महिला बाल विकास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का आवंटित की है।

परिसंपत्तियों की मरम्मत के लिए प्रदेश के 41 जिलों के लिए 1012 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। शर्मा के इस निर्णय से विभिन्न विभागों के अंतर्गत सेवाएं एवं सुविधाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी, जिससे आमजन को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

'केजरीवाल ने पंजाब में बनाया शीशमहल'

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भारतीय जनता पार्टी ने एक और शीशमहल बनवाने का आरोप लगाया है। दिल्ली भाजपा ने गूगल अर्थ वाली एक सैटेलाइट तस्वीर शेयर करते हुए आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने अब पंजाब में शीशमहल तैयार करवा लिया है। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने भी इसी तरह के आरोप लगाए हैं। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने एक्स पर लिखा है कि, दिल्ली का शीश महल खाली होने के बाद पंजाब के सुपर सीएम अरविंद केजरीवाल जी ने पंजाब में दिल्ली से भी शानदार शीश महल तैयार करवा लिया है। चंडीगढ़ के सेक्टर 2 में सीएम कोटे की 2 एकड़ की आलीशान 7 स्टार सरकारी कोठी अरविंद केजरीवाल जी को मिल गई है। भाजपा के दावों को आम आदमी पार्टी ने फर्जी बताया है। इतना ही नहीं आप ने भाजपा से अलॉटमेंट लेटर दिखाने की चुनौती दी है। दिल्ली आप के एक्स हैंडल पर लिखा गया है कि, जब से प्रधानमंत्री की फर्जी यमुना की कहानी पकड़ी गई है, बीजेपी बौखला सी गई है।

आतंकी संगठनों से जुड़े होने के संदेह में तीन मौलवी गिरफ्तार

एनआईए की सूचना पर एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड की टीमों ने कई जिलों में छापे मारे

जोधपुर, 31अक्टूबर (कासं)। प्रदेश में नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के इनपुट पर एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की टीमों ने शुक्रवार सुबह जोधपुर सहित कई जिलों में छापेमारी की है। इस कार्रवाई में चार जिलों से पांच संदिग्धों को पकड़ा गया है। इनमें तीन आरोपी मौलवी बताए जा रहे हैं। दो मौलवी सगे भाई हैं। इन्हें अलग-अलग मदरसों से पकड़ा गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों के इंटरनेशनल टेरर संगठन के फंडिंग नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है।

एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि एटीएस की टीमों ने अलग-अलग जगहों से पांच लोगों को राउंड अप किया है। इनमें से एक व्यक्ति को जयपुर से पकड़ा गया है। राउंड अप किए गए संदिग्धों से पूछताछ के बाद जल्द ही गिरफ्तारी के कारणों का खुलासा किया जाएगा। जोधपुर संभाग में तीन संदिग्धों को पकडऩे के बाद भी जोधपुर और पीपाड़ इलाके में संयुक्त एजेंसियों का सर्च ऑपरेशन जारी है।

- जोधपुर में पीपाड़ के मदरसे से गिरफ्तार मौलवी मसूद और जालौर के सांचौर के मदरसे से पकड़ा गया मौलवी उस्मान आपस में भाई बताये जाते हैं। इनके पास कई डॉक्यूमेंट भी जब्त किये गये हैं।

सूत्रों के अनुसार, इन तीनों से जुड़े कुछ और लोग भी खुफिया एजेंसियों के रडार पर थे। साथ ही, पकड़े गए तीनों संदिग्धों से भी जोधपुर एटीएस चौकी में हुई प्रारंभिक पूछताछ में कुछ और नाम भी सामने आए हैं।

एटीएस ने जोधपुर के चौखा स्थित अरेबिया मदरसा के मौलवी अयूब गफ्फार को कस्टडी में लिया है तथा जोधपुर के पीपाड़ में एक मदरसे से मौलवी मसूद को पकड़ा है। सांचौर (जालोर) के मदरसे से मौलवी उस्मान को भी गिरफ्त में लिया है। उस्मान और मसूद भाई बताए गए हैं। इनके पास से कई डॉक्यूमेंट भी जब्त किए गए हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अलसुबह हुई कार्रवाई के बाद मौलवियों को जोधपुर एटीएस कार्यालय लाया गया। वहां से उनको जयपुर ले जाया गया है। इनका संबंध किन आतंकी संगठनों से है, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

इंगलैंड के महाराजा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है। राजशाही विरोधी समूह अब इसे बड़ा मुद्दा बनाकर कह रहे हैं कि यह पूरा मामला इंग्लैंड में गणतांत्रिक संस्थाओं की आवश्यकता को दर्शाता है। मिस्टर एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर पर जेफ्री एप्स्टीन के साथ घनिष्ठ संबंध रखने का भी आरोप है। एप्स्टीन पर यौन शोषण के लिए बच्चों की तस्करी के गंभीर आरोप थे और उसने जेल में रहते हुए आत्महत्या कर ली थी। वर्जीनिया जुफ्रे, जिसने अपने साथ हुए उत्पीड़न का खुलासा किया था, पर कई शक्तिशाली लोगों ने हमला किया था और उन्होंने 41 वर्ष की आयु में आत्महत्या कर ली। तथापि उसके पहले उन्होंने उन लोगों के खिलाफ अदालत में लंबी लड़ाई लड़ी थी, जिन पर जुफ्रे ने किशोरावस्था में अपने ऊपर हमला करने का आरोप लगाया था। शाही महल से निकाले जाने के बाद मिस्टर विंडसर अब राजा चार्ल्स की निजी संपत्ति में रहेंगे और उन्हें भाई की ओर से निजी आय भी मिलती रहेगी। शाही सूत्रों के अनुसार, यह दोनों भाइयों के बीच का निजी समझौता होगा। शाही परिवार के प्रमुख सदस्यों से जुड़े इतने सारे घोटालों और अप्रिय घटनाओं ने ब्रिटेन में राजशाही की प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुँचाया है, और आम जनता के बीच अब शाही परिवार को लेकर आलोचनाओं का स्वर और तीखा हो गया है।

नीतीश कुमार की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा पत्र में कहा गया है कि अगले पाँच वर्षों में बिहार को एक वैश्विक शिक्षा केन्द्र के रूप में स्थापित किया जाएगा, जहाँ हर जिले में बड़े शिक्षण केन्द्र बनाए जाएंगे। इसके अलावा प्रत्येक जिले में 10 नए औद्योगिक पार्क, 100 एमएसएमई हब और 50,000 से अधिक कुटीर उद्योग विकसित करने का वादा किया गया है।

कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि के तहत, किसानों को हर साल 12,000 रुपये और मछुआरों को 9,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। घोषणा पत्र में कृषि और अवसंरचना में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश और सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का भी वादा किया गया है।

सस्ती थोथी नारेबाजी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वालों को समाप्त किया, वही ऑर्बन ने जॉर्ज सोरोस को खलनायक बना दिया और दुतेर्ते ने नशा करने वाले को अमानवीय बताया। ट्रंप का विदेशी मादक पदार्थों के तस्करों को "घरेलू दुश्मनों" के साथ जोड़ना वही मानसिक सोच दिखाता है कि सत्ता हमेशा संकट और भय के आधार पर फलती-फूलती है।

यह ऐसे लक्ष्य की ओर इशारा करता है, जो तानाशाही की रणनीति है। एक वैध तानाशाही कानून का शासन नहीं होता, बल्कि कानून द्वारा शासन होता है। एक बार जब न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन और मीडिया पर राजनीतिक रूप से कब्जा कर लिया जाता है तो नेताओं को तख्तापलट की आवश्यकता नहीं होती। वे "कानूनी" रूप से शासन करते हैं, लेकिन बिना किसी जिम्मेदारी के। ट्रंप द्वारा एजेंसियों के पुनर्निर्माण, न्याय विभाग के राजनीतिकरण, और आपातकालीन शक्तियों के उपयोग करने की बात स्पष्ट रूप से इस महत्वाकांक्षा को दिखाती है, लोकतंत्र के प्रतीकों के साथ शासन किया जाए, लेकिन उसके किसी भी वास्तविक तत्व के बिना।

अमेरिका के संस्थान अभी भी खड़े हैं, अदालतें, राज्य सरकारें, स्वतंत्र प्रेस और यही कारण है कि ट्रंप का मामला एर्दोआन या ऑर्बन से अलग है। फिर भी उनकी रणनीति उनके चुनावी तानाशाही के मॉडल का पालन करती है, जहां लोकतंत्र अंदर से कमज़ोर किया जाता है, न कि सड़कों पर टैंकों के माध्यम से, बल्कि सामान्यीकरण, भय और थकान के जरिए।

यदि इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो यह सशक्त नेता की राजनीति का अमेरिकन संस्करण बिना तख्तापलट या किसी घोषणा के लोकतंत्र के क्षरण से विकसित हो सकता है। ट्रंप के भाषण अब उन चीजों के चेतावनी नहीं हैं वे क्या कर सकते हैं। इसमें वे घोषणाएँ हैं जो वह पहले ही कर चुके है और अब कर रहे है, खतरा केवल उनके बयानों में नहीं है, बल्कि इस बात में है कि सिस्टम का कितना हिस्सा अब उनके पक्ष में झुकने लगा है।

'मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तुषार मेहता के अनुरोध को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा, "उन्हें प्रत्यक्ष रूप से आने दीजिए। दुर्भाग्यवश न्यायालय उन समस्याओं से निपटने में समय बर्बाद कर रहा है जिन्हें राज्य सरकारों और नगर निगमों को सुलझाना चाहिए था।"

पीठ ने अनेक राज्यों तो अदालत के आदेशों का सम्मान नहीं करने के लिए फटकार लगाई और कहा, "संसद नियम बनाती है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती।

हम उनसे अनुपालन हलफनामा दाखिल करने की अपेक्षा करते हैं जिसमें कहा गया हो कि वे इसे अनदेखा कर रहे हैं। अदालत के आदेश का कोई सम्मान नहीं है। उन्हें आने दीजिए हम उनसे निपट लेंगे। उन्हें स्वयं आकर बताना होगा कि अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।"

अब हाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए नाबालिग लड़कियां उपलब्ध कराई गईं। ई-मेल में आठ लोगों और कुछ लड़कियों के नाम भी उम्र सहित लिखे गए हैं। मेल में यह भी कहा गया कि इसे साबित करने के लिए हमारे पास जयपुर हाईकोर्ट को उड़ाने के अलावा कोई चारा नहीं है। सबको जल्दी खाली कराओ, हम तो बस संपत्ति को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।

कांग्रेस की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगातार उनके खिलाफ शिकायतें करते रहे। फिर प्रियंका गांधी ने उन्हें उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया, जहाँ कांग्रेस की बदतर स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कांग्रेस इस समय गहरे संकट में है, क्योंकि राहुल गांधी की युवा टीम ने भ्रम और अव्यवस्था फैला दी है, जबकि वरिष्ठ नेताओं को किनारे कर दिया गया है, और वहाँकोई वरिष्ठ नेता नहीं है, जो हालात ठीक कर सके।

पार्टी के भीतर नेतृत्व चयन मनमर्जी और व्यक्तिगत पसंद-नापसंद पर आधारित है। नतीजा यह है कि सबसे ज़रूरी वक्त पर यह महान पुरानी पार्टी बिखरती जा रही है और चुनावी मैदान में उसका प्रदर्शन बेहद कमजोर दिखाई दे रहा है।

'आरोपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ढंग से समन जारी न कर सकें।

चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने यह फैसला एक स्वत: संज्ञान मामले में सुनाया। यह मामला तब शुरू हुआ जब ईडी ने वरिष्ठ वकीलों अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। अपना फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को संरक्षण देने वाले नियम के अपवाद को संतुलित करने का प्रयास किया है और कानूनी पेशे को जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से बचाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

भारत व अमेरिका ने दस साल के रक्षा समझौते पर साइन किए

नयी दिल्ली, 31 अक्टूबर। भारत और अमेरिका ने रक्षा उद्योग, सेनाओं और रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दस वर्ष के महत्वाकांक्षी रक्षा समझौते (रक्षा फ्रेमवर्क समझौते) पर हस्ताक्षर किये हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 12 वीं बैठक से इतर हुई बैठक में वार्ता के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस समझौते के अंतर्गत अमेरिका भारत के साथ उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करेगा। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच रक्षा भागीदारी और मजबूत बनेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि यह समझौता भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र भारत-अमेरिका संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

- कुआलालम्पुर में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व अमेरिका रक्षामंत्री पीटर हेगसेथ की मीटिंग में यह समझौता हुआ।

उधर हेगसेथ ने कहा कि रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत अमेरिका के लिए प्राथमिकता वाला देश है। उन्होंने कहा कि अमेरिका स्वतंत्र और मुक्त हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, " कुआलालंपुर में अपने अमेरिकी समकक्ष पीटर हेगसेथ के साथ एक उपयोगी बैठक हुई। हमने 10 वर्ष की अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। यह हमारी पहले से ही मज़बूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत होगी। यह रक्षा रूपरेखा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगी। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा।

अज़हरुद्दीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यपाल ने अभी तक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उन्हें अगले छह महीने में एमएलसी के रूप में विधान परिषद में शामिल किया जाना जरूरी है, ताकि वे अपनी मंत्री पद की स्थिति बनाए रख सकें। भाजपा का मजाक उड़ाते हुए गौड़ ने कहा कि राजस्थान में भी उन्होंने एक चुनावी उम्मीदवार को मंत्री बनाया था किन्तु वे अंतत: कांग्रेस के प्रतिद्वंदी से हार गए।

सोनिया, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक पर एक पोस्ट में इंदिराजी के शब्दों को उधृत कर उन्हें नमन करते हुए कहा "जब तक मुझ में साँस है तब तक सेवा ही नहीं जायेगी और जब मेरी जान जायेगी तब मैं ये कह सकती हूँ कि...एक एक खून का क़तरा जितना मेरा है, वह एक-एक ख़ून का क़तरा ...एक भारत को जीवित करेगा।-श्रीमती इंदिरा गाँधी "

मोकामा हत्याकांड, क्या बाहुबली राजनीति की वापसी का संकेत है बिहार में

इस हत्याकांड के पीछे बिहार के पुराने बाहुबली और "टैरर किंग" अनंत सिंह का हाथ बताया जा रहा है

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। बिहार में मतदान शुरू होने से चन्द दिन पहले, मोकामा में दुलार चंद यादव की सनसनीखेज हत्या ने पूरे राजनीतिक माहौल को झकझोर दिया है। पुलिस और राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, दुलार चंद, जो लंबे समय से ज़मीनी स्तर पर धीर-गंभीर तथा सक्रिय वामपंथी कार्यकर्ता रह चुके थे तथा बाद में मुख्यधारा की पार्टियों से जुड़ गए थे, की शुक्रवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या के पीछे जनता दल (यू) के उम्मीदवार और विवादास्पद बाहुबली आनंद सिंह के समर्थकों का हाथ बताया जा रहा है।

यह घटना बिहार की राजनीति में हलचल इसलिए भी पैदा कर रही है, क्योंकि मामला न केवल अत्यंत क्रूरता का है, बल्कि इसकी टाइमिंग और इसमें शामिल नाम भी बेहद संवेदनशील हैं। अनंत सिंह, जिन्हें अक्सर स्वयंभू आतंक का राजा कहा जाता है और जो भूमिहार समुदाय के प्रभावशाली चेहरे माने जाते हैं, वे जद (यू) के उम्मीदवार हैं और नीतीश के करीबी है। उनकी उम्मीदवारी खुद इस बात की स्वीकारोक्ति थी कि उनके क्षेत्र में उनकी पकड़ मजबूत है, लेकिन इस हत्या से राज्य में "बाहुबली राजनीति" की वापसी पर जबरदस्त बहस छेड़ दी है।

- अनंत सिंह जद (यू) के प्रत्याशी हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं।
- मृतक दुलार चंद यादव पूर्व में वामपंथी थे तथा इस बार व जन सुराज पार्टी के लिए काम कर रहे थे। यह भी पता चला है कि वे आरजेडी से टिकट लेना चाहते थे, पर टिकट नहीं मिला तो जन सुराज से जुड़ गए।

दुलार चंद यादव इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे थे। लेकिन वे जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे थे। अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, दुलार चंद और प्रियदर्शी, दोनों ने पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से टिकट पाने की कोशिश की थी।

जब उन्हें टिकट नहीं मिला, तो दोनों ने राजद से दूरी बना ली और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया तथा उन्होंने एनडीए और राजद-कांग्रेस गठबंधन, दोनों से दूरी बना ली। इस बीच, राजद ने अपने उम्मीदवार के रूप में बीना देवी को उतारा है, जो एक अन्य आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेता, दो बार के पूर्व लोकसभा सांसद सूरजभान की पत्नी हैं।

जो लड़ाई पहले एक स्थानीय क्षेत्रीय मुकाबले के रूप में देखी जा रही थी, वह अब पूरे राज्य में राजनीतिक तूफान का रूप ले चुकी है। भाजपा-आरएसएस की एक गोपनीय आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार, इस हत्या से अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) मतदाताओं में एनडीए के खिलाफ एकजुटता की संभावना बढ़ सकती है।

दुलार चंद यादव खुद एमबीसी समुदाय से थे और उनके पास मज़बूत ज़मीनी समर्थन था। विश्लेषकों का कहना है कि उनकी हत्या से उन मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा नाराज़ हो सकता है, जो पहले से ही एनडीए के उम्मीदवार चयन को लेकर असमंजस में हैं।

इस घटना ने बिहार में चुनावी हिंसा को लेकर पुरानी चिंताओं को फिर से जगा दिया है, जहाँ लंबे समय से जातिगत प्रतिद्वंदिता और बाहुबल की राजनीति चुनावी माहौल को प्रभावित करती रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विश्वसनीयता के लिए यह घटना सीधी चुनौती है, क्योंकि उन्होंने अपने शासन की छवि "सुशासन" और "कानून व्यवस्था" के आधार पर बनाई थी और इसी की दुहाई देते हुए, वे पद पर बने रहना चाह रहे थे।

जदयू और भाजपा, दोनों ही इस घटना के असर को संभालने की कोशिश में जुटी हैं, वहीं विपक्ष इसे हथियार बनाकर यह साबित करने में जुट गया है कि एनडीए की कानून-व्यवस्था पर पकड़ ढीली पड़ चुकी है। बिहार के चुनावी माहौल में तेजी से बढ़ती गर्मी के बीच, मोकामा हत्या ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि अन्ततोगत्वा इस चुनाव में अपराध, जाति और सत्ता जैसे मुद्दे ही हावी रहेंगे।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जोधपुर विकास प्राधिकरण

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर योजना ग्राम चौखा

- जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर द्वारा नवीन योजना सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर योजना राजस्व ग्राम चौखा के खसरा संख्या 28 पार्ट, 38 पार्ट, 39 पार्ट, 41, 42, 43, 44, 45 पार्ट, 61 पार्ट में फैली 302.59 बीघा (49.4 हैक्टेयर भूमि पर स्थित है।
- सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर योजना राजस्व ग्राम चौखा में सेक्टर ए में कुल 556 एवं सेक्टर बी में कुल 602 आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्डों सहित EWS व एलआईजी भूखण्डों हेतु प्रावधान रखा गया है। लॉटरी माध्यम से आवंटन योग्य कुल भूखण्ड 930 है।
- इसमें हरे-भरे पार्क, व्यावसायिक क्षेत्र और दैनिक आवश्यकताओं के लिए ओसीएफ (ओपन कम्युनिटी फैसिलिटी) क्षेत्र जैसी आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान है।
- इसके अतिरिक्त योजना में अनौपचारिक बाजारों की सुविधा भी प्रस्तावित है, जो निवासियों को सामुदायिक मेलजोल और स्थानीय वाणिज्य के अवसर प्रदान करेगी। भूखण्डों का आवंटन लॉटरी पद्धति से किया जायेगा।

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर

- योजना में भूखण्डों की कुल संख्या 1481 रखी गई है। जिसमें से 513 भूखण्ड ऑटोमोबाइल नगर, 653 भूखण्ड ट्रांसपोर्ट नगर तथा इनफोर्मल मार्केट हेतु 315 भूखण्ड आरक्षित किये गये है।
- योजना में आवंटन योग्य सामान्य भूखण्ड 1111 में से ट्रांसपोर्ट नगर हेतु 607 भूखण्ड तथा ऑटोमोबाइल नगर हेतु 504 भूखण्ड प्रस्तावित है।
- इसके अलावा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाइल से संबंधित छोटे व्यवसायियों हेतु इनफोर्मल मार्केट में ब्लॉक ए 35 एवं ब्लॉक बी में 280 कुल 315 भूखण्ड आवंटन हेतु प्रस्तावित किये गए है।
- जिनकी संख्या घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामान्य भूखण्डों का आवंटन लॉटरी पद्धति से किया जायेगा।

योजनाओं में आमजन के रूझान व मांग को देखते हुए प्राधिकरण द्वारा दोनों नवीन योजनाओं में आवेदन पत्रों के पंजीकरण की अन्तिम तिथि 05.11.2025 तक एवं ऑनलाईन आवेदन करने की अन्तिम तिथि को 07.11.2025 तक बढ़ाया गया है।
साथ ही योजनाओं की लॉटरी हेतु दिनांक 13.11.2025 प्रस्तावित की गई है।

दोनों योजनाओं के आवेदन पत्र केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किए जाएंगें।

दोनों योजनाओं की आवेदन पुस्तिका तथा आवेदन की प्रक्रिया सामान्य शर्त व ऑनलाईन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया/विस्तृत जानकारी JDA पोर्टल - joda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

जोधपुर विकास प्राधिकरण
Jodhpur Development Authority
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट विजिट करें https://joda.rajasthan.gov.in/
राजस्थान संवाद

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908